Status of implementation of recommendations contained in the One Hundred and Ninety-Fourth Report of the Department-related Parliamentary Standing Committee on Transport, Tourism and Culture

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा पोत परिवहन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री कृष्ण पाल) : महोदय, मैं पोत परिवहन मंत्रालय की अनुदान मागों (2013-14) पर विभाग संबंधित परिवहन, पर्यटन और संस्कृति संबंधी संसदीय स्थायी समिति के एक सौ चौरानवें प्रतिवेदन में अंतर्विष्ट सिफारिशों के कार्यान्वयन की स्थिति के संबंध में एक वक्तव्य सभा पटल पर रखता हूं ।

MOTION FOR ELECTION TO THE ADVISORY COUNCIL OF THE DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY

THE MINISTER OF URBAN DEVELOPMENT (SHRI M. VENKAIAH NAIDU): Sir, I move the following Motion:-

> "That in pursuance of clause (h) of sub-section (2) read with sub-section (4) of Section 5 of the Delhi Development Act, 1957 (61 of 1957), this House do proceed to elect in such manner as the Chairman may direct, one Member from amongst the Members of this House to be a member of the Advisory Council of the Delhi Development Authority."

The question was put and the Motion was adopted.

RE. DEMAND FOR DISCUSSION ON PHONE TAPPING OF THE M.Ps—Contd.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Now, Mr. Tiwari, what is your point of order?

SHRI PRAMOD TIWARI: Sir, it is very simple. This is the collective responsibility of the Council of Ministers towards the House. सदन के प्रति मंत्रिपरिषद की सामूहिक जिम्मेदारी है और ओथ ऑफ सीक्रेसी लेकर ही मंत्री को शपथ दिलाई जाती है । महोदय, जब मंत्रियों के फोन टैप होंगे, सांसदों के फोन टैप होंगे तो उनकी सीक्रेसी कहां रह गयी ? उस सीक्रेसी का ब्रीच हो रहा है । ये बातें साफ तौर पर सामने आ रही हैं, इस पर मैं आपकी रूलिंग चाहता हूं, आपके विचार चाहता हूं कि जिम्मेदार मंत्रियों के फोन टैप हो रहे हैं, यह संदेश पूरे देश में चला गया है, जिससे लोगों का विश्वास मंत्रिपरिषद की तरफ घट रहा है । उसके साथ-साथ एमपीज़ का भी हो रहा है । कुछ बातें मैं यहा कोट नहीं करना चाहता, कुछ लोगों का इतिहास है ... कि अपने मंत्रियों का कराते रहे हैं पहले भी राज्यों में । इसलिए थोडा संशय है और लोगों का विश्वास मंत्रिपरिषद से हट रहा है। माननीय मंत्री जी जो कह रहे हैं, उससे मैं बिल्कुल सहमत हूं। इनका कहना है कि फोन टैप नहीं हो रहे हैं । मेरा कहना है कि अगर फोन टैप नहीं हो रहे हैं, तो किस बात का डर है नायडु साहब? आप हाउस की एक कमेटी बना दीजिए, जुडिशियल जांच करा दीजिए । बात सामने आ जाएगी, देश का विश्वास मंत्रिपरिषद पर हो जायेगा । ...**(व्यवधान)**... इस पर मैं आपकी व्यवस्था चाहता हूं ।